पत्र सूचना कार्यालय (रक्षाविंग)
भारत सरकार
****
'हर काम देश के नाम'

नई दिल्लीःपौष 15,1944
वीरवारः 05 जनवरी 2023

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने पोर्ट ब्लेयर में अंडमान और निकोबार कमान की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की

राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और समुद्री क्षेत्र को सुरक्षित रखने के लिए कमान की सराहना की

"हमारा उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों को दुनिया की सबसे मजबूत सेनाओं में से एक बनाना है"

सैनिकों के कल्याण के लिए सरकार हमेशा तैयार है, जैसे वे देश की सुरक्षा के लिए तैयार हैंः रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 05 जनवरी 2023 को पोर्ट ब्लेयर में देश के एकमात्र परिचालन संयुक्त सेवा कमान के मुख्यालय केदौरे के दौरान अंडमान और निकोबार कमान की परिचालन तैयारियों और परिचालन क्षेत्रों में अवसंरचना के विकास की समीक्षा की। अंडमान और निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ(सीआईएनसीएएन) लेफ्टिनेंट जनरल अजय सिंह ने रक्षा मंत्री को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की भू-रणनीतिक क्षमता और इस क्षेत्र में सैन्य अभियानों में भारत के प्रभाव और समर्थन को बढ़ाने की दिशा में इसकी भूमिका के बारे में जानकारी दी।

अंडमान और निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ(सीआईएनसीएएन) ने रक्षा मंत्री को अंडमान और निकोबार कमान की उपलब्धियों, भावी योजनाओं और चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सरकार की एक्ट ईस्ट नीति को आगे बढ़ाने और देश के समुद्री पड़ोसियों के साथ 'मैत्री पुल' बनाकर क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास से संबंधित प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना को साकार करने में अंडमान और निकोबार कमान द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। श्री राजनाथ सिंह ने एएनसी संयुक्त संचालन केन्द्र (जेओसी) का भी दौरा किया, जो निगरानी, ऑपरेशन संचालन और लॉजिस्टिक सहायता के लिए एकीकृत योजना का प्रमुख केन्द्र है।

अधिकारियों और जवानों के साथ बातचीत करते हुए, रक्षा मंत्री ने मानवीय सहायता और आपदा राहत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और समुद्री क्षेत्र को सुरक्षित रखने के लिए अंडमान और निकोबार कमान की सराहना की। उन्होंने द्वीपों और विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा के लिए सतर्क रहने और 24×7 तैयार रहने के लिए उनकी वीरता और उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि 2001 में स्थापना के बाद से,

अंडमान और निकोबार कमान ने अपनी संक्रियात्मक क्षमताओं में काफी वृद्धि की है, जो इसकी अदम्य भावना और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

श्री राजनाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त किया कि सशस्त्र बलों का साहस और समर्पण देश के लिए स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करेगा। उन्होंने सैनिकों से कहा कि जिस तरह वे देश की सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं, उसी तरह सरकार भी उनके कल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि सरकार सशस्त्र बलों की दक्षता और ताकत बढ़ाने के लिए सभी प्रयास कर रही है। रक्षा मंत्री ने कहा, ''हमारे प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमने आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम आगे बढ़ाया है। हमने 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' परिकल्पना को साकार करने की दिशा में बड़ी प्रगति की है।" हमारे सशस्त्र बल जल्द ही दुनिया की सबसे मजबूत सेनाओं में से एक होंगे। यह हमारा विजन भी है और हमारा मिशन भी। रक्षा मंत्री ने उत्तरी क्षेत्र में हाल की स्थितियों से निपटने के लिए सशस्त्र बलों की वीरता और तत्परता का भी विशेष उल्लेख किया।

इससे पहले, रक्षा मंत्री ने क्वाड-सर्विस गार्ड ऑफ ऑनर की समीक्षा की और29 दिसंबर1943 को नेताजी के ऐतिहासिक आगमन के स्थान 'संकल्प स्मारक' का दौरा किया। संकल्प स्मारक में, उन्होंने इंडियन नेशनल आर्मी के सैनिकों के बलिदान के सम्मान में श्रद्धांजलि अर्पित की। पोर्ट ब्लेयर पहुंचने पर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल एडमिरल डीके जोशी (सेवानिवृत्त), अंडमान और निकोबार कमान के कमांडर-इन-चीफ (सीआईएनसीएएन) और वरिष्ठ अधिकारियों ने उनकी अगवानी की।

जनवरी 2019 के बाद से इंदिरा प्वाइंट पर रक्षा मंत्री की यह पहली यात्रा है। हिंद-प्रशांत से इन दूर-दराज के द्वीपों की निकटता को देखते हुए सामरिक महत्व के अलावा, रक्षा मंत्रीके अंडमान और निकोबार कमान दौरे ने इन दूर और दूरदराज के द्वीपों में तैनात सैनिकों को प्रेरित किया। यह उल्लेख करना उचित है कि अंडमान और निकोबार कमान एक 21 वर्षीय सफल एकीकृत थिएटर कमान है जिसे अब राष्ट्रीय स्तर पर योजनाबद्ध किया जा रहा है।

एबीबी/डीएस